बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-524**
16/08/2026

बिहार में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से पर्यटन, व्यापार, उद्योग, निवेश, रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों' को नई गति मिलेगी :– मुख्यमंत्री

मुख्य बिंदु :–

- सबेया (गोपालगंज), फारबिसगंज (अररिया), किशनगंज, सारण तथा उलाव (बेगूसराय) में हवाई अड्डा के विकास की दिशा में तेजी से कार्य करने का निर्देश।
- औरंगाबाद, बांका, खगड़िया, नवादा, शेखपुरा एवं सीतामढ़ी में नए हवाई स्थलों/हेलीपैड के विकास की संभावनाओं पर कार्य करने का निर्देश।
- राजगीर–गया, सासाराम–कैमूर तथा शाहाबाद क्षेत्र में भी हेलीपैड विकसित करने की योजना पर कार्य करने तथा भूमि की उपलब्धता एवं अन्य तकनीकी पहलुओं पर कार्रवाई तेज करने का निर्देश।
- राज्य के पर्यटन, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ने से देश–विदेश के पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पटना, 16 अगस्त 2026 :– मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित संशोधित उड़ान योजना के क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) के संस्करण 6.0 के संदर्भ में समीक्षा की। इस दौरान सिविल विमानन विभाग के सचिव श्री नीलेश रामचन्द्र देवरे ने राज्य में हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार को लेकर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण के दौरान बिहार में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करने, नए हवाई अड्डों एवं हेलीपैड के विकास तथा छोटे शहरों एवं पर्यटन स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार में सबेया (गोपालगंज), फारबिसगंज (अररिया), किशनगंज, सारण तथा उलाव (बेगूसराय) में हवाई सुविधाओं के विकास की दिशा में आवश्यक कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकाधिक जिलों को हवाई कनेक्टिविटी से जोड़ने के लिए उपलब्ध संसाधनों एवं संभावनाओं का समुचित उपयोग किया जाए। औरंगाबाद, बांका, खगड़िया, नवादा, शेखपुरा एवं सीतामढ़ी सहित अन्य संभावित स्थलों पर हेलीपैड/हवाई सुविधा विकसित करने की संभावनाओं पर भी आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने विशेष रूप से राजगीर और गया के बीच, सासाराम और कैमूर के बीच तथा शाहाबाद क्षेत्र में हेलीपैड विकसित करने की योजना पर भी कार्य

करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर हवाई संपर्क के विस्तार के लिए ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दी जाए, जिससे आसपास के जिलों एवं महत्वपूर्ण पर्यटन, धार्मिक तथा आर्थिक केंद्रों को भी इसका लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि हवाई अड्डों एवं हेलीपैड के निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता, स्थल की उपयुक्तता, यातायात की संभावनाओं तथा अन्य तकनीकी आवश्यकताओं का शीघ्र आकलन किया जाए। साथ ही, संबंधित जिलों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर भूमि एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से पर्यटन, व्यापार, उद्योग, निवेश, रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों' को नई गति मिलेगी। विशेष रूप से राज्य के पर्यटन, धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ने से देश–विदेश के पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। क्षेत्रीय संपर्क योजना के अनुरूप बिहार की आवश्यकताओं के अनुसार प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार के संबंधित मंत्रालय एवं प्राधिकरणों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उल्लेखनीय है कि संशोधित उड़ान योजना का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क का विस्तार करते हुए छोटे शहरों एवं कम सेवा वाले क्षेत्रों को बेहतर हवाई सुविधा से जोड़ना है। बिहार सरकार द्वारा राज्य में हवाई अवसंरचना के विस्तार को इसी व्यापक लक्ष्य के अनुरूप गति देने का प्रयास किया जा रहा है।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव श्री अनिमेष पराशर, परिवहन विभाग के सचिव श्री राजकुमार, सिविल विमानन विभाग के सचिव श्री नीलेश रामचन्द्र देवरे, पटना के जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग के सचिव श्री नवीन कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

******